बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) प्रथम समसत्र

B.A. SANSKRIT HONS FIRST SEMESTER (Sub)

lit - 5 पूर्णांक – 100

-H-GE-104 अवधि – 3 घंटे

-160

खण्ड (क)

संस्कृत व्याकरण एवं व्याकरण शास्त्र का इतिहास

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमे से चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे।

प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

lit - 5

क्रम

1. शब्द रूप –
   पाठ्य शब्द रूप – देव, कवि, भानु, पितृ, लता, मति, नदी, धेनु, वधू, मातृ, फल, वारि, मधु, मरुत्, आत्मन्, सर्व, तद्, एतद्, यद्, इदम्, जगत्, अस्मद् तथा युष्मद्।
2. धातु रूप –
   लट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ्, एवं लृट् लकार में
   पाठ्य धातुरूप – पठ्, पच्, भू, कृ, अस्, अद्, हन्, हु, दिव, रुध्, क्री, चुर् तथा सेव।
3. हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद
4. संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद
5. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास चतुर्थ परिच्छेद (पाणिनि तथा उनके पश्चातवर्ती वैयाकरण)

चयन संबंधी निर्देश :–

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ (बहुवैकल्पिक / रिक्त स्थानों की पूर्ति से संबंधित) 10 प्रश्न पूछे जाएँगे।	2 x 10
द्वितीय प्रश्न में किन्हीं दो विभक्तियों (कारकों) में पाँच शब्दों के रूप देय होंगे। दस शब्द पूछे जाएँगे।	4 x 5
तृतीय प्रश्न में किसी एक लकार में पाँच धातुओं के रूप अपेक्षित होंगे। दस धातुएँ पूछी जाएँगी।	4 x 5
चतुर्थ प्रश्न में किसी एक अनुच्छेद का हिन्दी से संस्कृत तथा एक अनुच्छेद का संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद। संस्कृत तथा हिन्दी दोनों के लिए दो–दो अनुच्छेद पूछे जाएँगे।	10 x 2
पाँचवें से आठवें प्रश्न में पाणिनि तथा उनके पश्चातवर्ती वैयाकरणों से संबंधित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का होगा।	

नुशंसित पुस्तकें –

स्कृत मे अनुवाद कैसे करें ?
माकान्त मिश्र शास्त्री, भारती भवन, पटना

स्कृत व्याकरण – श्रीधर वशिष्ठ

हत् अनुवाद चन्द्रिका – चक्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।

स्कृत शास्त्रों का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय

याकरण शास्त्र का इतिहास – वाचस्पति गैरोला

खण्ड (ख)

आन्तरिक मूल्यांकन – 15 + 05 = 20 अंक

Credit - 1

(Signature) 22.1.20

अर्चना ... 31.07.16 ... 31.7.16 ... 31.7.16

बी0 ए0 संस्कृत द्वितीय सेमेस्टर
B.A. Sanskrit (GE) Second Semester

Credit - 5
SAN - H-GE - 204

पूर्णांक – 100
अवधि – 3 घंटे

पूर्णांक – 80

खण्ड – ङ
ज्योतिष एवं आयुर्वेद

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगें। प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्न के अंक समान हैं

Credit – 5
पाठ्यक्रम
पाठ्य–पुस्तक – 1. मुहूर्तचिन्तामणि
अ नक्षत्र प्रकरण
ब संस्कार प्रकरण

2. आयुर्वेद का सामान्य परिचय- चरक चरकसंहिता
सुश्रुत - सुश्रुत संहिता
वाग्भट - अष्टांगहृदय

प्रश्न पत्र संबंधी निर्देश –

1. प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ (बहुवैकल्पिक / रिक्त स्थानों की पूर्ति से संबंधित) 10 प्रश्न पूछे जाएँगे। 2X10

2. द्वितीय प्रश्न में मुहूर्तचिन्तामणि के उपर्युक्त दोनों प्रकरणों से चार श्लोकों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा। कुल आठ श्लोक पूछे जाएँगें। 4X5

3. तृतीय प्रश्न में आयुर्वेद शास्त्र से आठ प्रश्न दिए जाएँगें जिनमें किन्हीं चार का उत्तर देय होगा। 4X5

4. चतुर्थ प्रश्न में संपूर्ण पाठ्यांश पर आधारित पाँच लघुत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। 5X4

5. पाँचवें से आठवें प्रश्न में उपर्युक्त दोनों ग्रन्थों से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे

1. मुहूर्तचिन्तामणि
2. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास
लेखक -- आचार्य बलदेव उपाध्याय

खण्ड – ख

आन्तरिक मूल्यांकन – 15 + 05 = 20

28.1.20

12.4.19

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) तृतीय समसत्र

B.A. SANSKRIT HONS THIRD SEMESTER

Credit - 5

पूर्णांक – 100

SAN-H-GE-304

अवधि – 3 घंटे

पूर्णांक - 80

खण्ड (क)

संस्कृत साहित्य का इतिहास

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे।
प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit - 5

पाठ्यक्रम

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास
   रामायण, महाभारत, महाकाव्य एवं गद्य काव्य

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ (बहुवैकल्पिक / रिक्त स्थानों की पूर्ति से संबंधित) 10 प्रश्न पूछे जाएँगे। 2 x 10
- द्वितीय प्रश्न में कुल चार टिप्पणियाँ लिखनी हैं। कुछ छः टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी। 5 x 4
- तृतीय प्रश्न में रामायण तथा महाभारत के दो प्रमुख पात्रों के चरित्र–चित्रण अपेक्षित होंगे। दोनों से दो–दो कुल चार चरित्र–चित्रण प्रष्टव्य होंगे। 10 x 2
- चतुर्थ प्रश्न में महाकाव्य एवं गद्य काव्य से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे। 10 x 2
- पाँचवे से आठवें प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश पर आधारित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुशंसित पुस्तकें –
संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय

खण्ड (ख)

आन्तरिक मूल्यांकन – 15 + 05 = 20 अंक

Credit -

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) चतुर्थ समसत्र

B.A. SANSKRIT HONS FOURTH SEMESTER

पूर्णांक – 100

-404

अवधि – 3 घंटे

खण्ड (क)

गद्य एवं दर्शन

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे।
प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

1. शिवराजविजय (प्रथम निःश्वास) – 40
पं० अम्बिकादत्त व्यास)
जैन दर्शन – 40
बौद्ध दर्शन

न संबंधी निर्देश :–

1. प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ (बहुवैकल्पिक / रिक्त स्थानों की पूर्ति से संबंधित) 10 प्रश्न पूछे जाएँगे। 2 x 10

2. द्वितीय प्रश्न में शिवराजविजय के पाठ्यांश से दो अंशों की संस्कृत व्याख्या अपेक्षित होगी। चार अंश पूछे जाएँगे। 10 x 2

3. तृतीय प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश से चार टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। छः टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी। 5 x 4

4. चतुर्थ प्रश्न में काव्य, कवि एवं पात्रों तथा घटनाओं पर आधारित दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। चार प्रश्न पूछे जाएँगे। 10 x 2

5. पाँचवे से आठवें प्रश्न में शिवराजविजय, इसके रचयिता तथा पाठ्यांश पर आधारित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

खण्ड (ख)

रिक मूल्यांकन – 15 + 05 = 20 अंक

:dit - 1